भारतीय रिज़र्व बैंक
आर्थिक विश्लेषण और नीति विभाग

अर्थशास्त्र विभाग 1959 में एक स्वतंत्र विभाग के रूप में स्थापित किया गया था। जनवरी 1982 में, बैंक की गतिविधियों में काफी अधिक विस्तार के कारण, अर्थशास्त्र विभाग को आर्थिक विश्लेषण और नीति विभाग के रूप में पुनर्गठित किया गया ताकि व्यवहार्य आकार बनाए रखते हुए आर्थिक मामलों पर बेहतर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

कार्य

- विभाग का प्राथमिक कार्य बैंक को, विशेष रूप से भारत में और विदेश में आर्थिक और वित्तीय गतिविधियों से संबंधित नीतिगत मामलों पर सलाह देना और सहायता करना है।
- विभाग नीति उन्मुख आर्थिक अनुसंधान करता है और यह मौद्रिक समुच्चयों, भुगतान संतुलन, घरेलू वित्तीय बचतों, राज्य वित्त और पूंजी बाजार से संबंधित आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है।
- विभाग साप्ताहिक आर्थिक और वित्तीय रिपोर्ट तैयार करता है, केन्द्रीय बोर्ड की समिति के लिए समीक्षाएं तैयार करता है और उच्च प्रबंधन तंत्र तथा बैंक के अन्य परिचालन विभागों के लिए समष्टि आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर अद्यतन प्रबंधन सूचना प्रणाली को बनाए रखता है। यह कार्य लगातार नीति उन्मुख अनुसंधान गतिविधियों के माध्यम से किया जाता है जिसमें वास्तविक और राजकोषीय क्षेत्र के अलावा व्यापक रूप से वित्तीय प्रणाली के सभी क्षेत्र शामिल हैं।

आंकड़ों के प्रसार की गुणवत्ता और समयबद्धता के संदर्भ में, विभाग अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। ये आंकड़े नियमित रूप से विभिन्न प्रकाशनों और बैंक की वेबसाइट के माध्यम से प्रसारित किए जाते हैं।

विभाग सात प्रमुख प्रकाशन निकालता है - पांच वार्षिक अर्थात् वार्षिक रिपोर्ट, भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति संबंधी रिपोर्ट, मुद्रा और वित्त संबंधी रिपोर्ट, भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी संबंधी हैंड बुक और राज्य सरकारों के वित्त; साप्ताहिक सांख्यिकी अनुपूरक सहित एक मासिक बुलेटिन और भारतीय रिज़र्व बैंक ऑकेजनल पेपर्स जिसके वर्ष में तीन अंक निकलते हैं। इसके अलावा, अनुसंधान अध्ययन स्टाफ अध्ययनों की एक श्रृंखला में प्रकाशित किए जाते हैं। इन प्रकाशनों के उच्च विश्लेषणात्मक स्तर, विषय की व्याप्ति तथा प्रकाशन की नियमितता ने इन्हें बाजार सहभागियों, विश्लेषकों, विद्वतवर्गों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के बीच संदर्भ सामग्री के रूप में स्थापित कर दिया है।

बैंक के नीति निर्माण के लिए अनुसंधान और विश्लेषणात्मक सहायता देने के अलावा, विभाग आइएमएफ के देशों के परामर्शों को समन्वित करता है और रेटिंग एजेंसियों के साथ चर्चा करता है; सरकार को नीतिगत सहायता देने के साथ-साथ आर्थिक सर्वेक्षण, वित्त मंत्री के बजट भाषण और संसदीय प्रश्नों के लिए पृष्ठभूमि सामग्री तैयार करता है। अपने अंतरिक अनुसंधानों के अलावा, विभाग अनुसंधान को बढ़ावा देता है और सेमिनार, संयुक्त अध्ययन और अनुदान योजना के माध्यम से अर्थव्यवस्था के महत्व के मामलों पर बाहरी विशेषज्ञों के विचार प्राप्त करता है।

विभाग 17 विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं में रिज़र्व बैंक द्वारा स्थापित अनुसंधान पीठ और फेलोशिप प्रदान करने, विशिष्ट अनुसंधान परियोजनाओं और प्रकाशनों को समर्थन देने के लिए विशेष वित्तीय अनुदान देने संबंधी कार्यों की देखरेख करता है। विभाग दो वार्षिक व्याख्यान- सी.डी. देशमुख और एल.के. झा स्मारक व्याख्यान- आयोजित करता है जो समष्टि आर्थिक, बैंकिंग और वित्त के क्षेत्र के विशिष्ट व्यक्तियों द्वारा दिये जाते हैं। इसके अलावा, पी. आर. ब्रह्मानंद स्मारक व्याख्यान भी उक्त क्षेत्रों में बीच-बीच में आयोजित किया जाता है।

विभाग सार्क फाइनेन्स, सार्क केन्द्रीय बैंक गवर्नरों और वित्त सचिवों के नेटवर्क से संबंधित कार्य का भी समन्वयन करता है। विभाग केन्द्रीय कार्यालय स्तर पर पर्याप्त सुविधा-संपन्न पुस्तकालय रखता है।

यह विभाग, जो कि बैंक के आर्थिक चिंतन मंच के रूप में कार्य करता है, सोलह प्रमुख प्रभागों में विभाजित है :

1. मुद्रा और बैंकिंग प्रभाग
2. बैंकिंग विकास प्रभाग
3. अर्थमिति प्रभाग
4. विकास अनुसंधान समूह
5. पूंजी बाजार प्रभाग
6. अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध प्रभाग
7. अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभाग
8. अंतरराष्ट्रीय वित्त प्रभाग
9. केन्द्रीय वित्त प्रभाग
10. राज्य और स्थानीय वित्त प्रभाग
11. औद्योगिक एवं सेवा अध्ययन प्रभाग

12. ग्रामीण अर्थशास्त्र प्रभाग
13. राष्ट्रीय आय, बचत और निधि प्रवाह प्रभाग
14. वित्तीय बाजार निगरानी इकाई
15. रिपोर्ट, समीक्षा और प्रकाशन प्रभाग
16. विशेष अध्ययन इकाई